



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 434]  
No. 434]नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 18, 2005/आश्विन 26, 1927  
NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 18, 2005/ASVINA 26, 1927

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 2005

सं. 92/2005-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 636(अ).—अभिहित प्राधिकारी, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के टैरिफ मद 2936 27 00 के अंतर्गत आने वाले, अमरोका गणराज्य और कनाडा, (जिसे इसमें इसके पश्चात् संबद्ध देश भी कहा गया है) में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यात किये गए, विटामिन सी (जिसे इसमें इसके पश्चात् संबद्ध माल भी कहा गया है) के आयात के मामले में, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 1 नवम्बर, 2002 में प्रकाशित अपने प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/25/2002-डीजीएडी, तारीख 1 नवम्बर, 2002 में इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि :—

- (क) संबद्ध देशों में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यातित विटामिन सी का भारत को इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात की गई है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है;
- (ख) घरेलू उद्योग को तात्त्विक क्षति पहुंची है;
- (ग) उक्त क्षति विषयगत देशों से आयात द्वारा संचयी रूप से कारित हुई है;

और संबद्ध देशों से उदगमित या निर्यातित विटामिन सी के सभी आयात पर अनन्तिम प्रतिपाठन शुल्क अधिरोपण करने की सिफारिश की थी;

और, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त जांच परिणाम के आधार पर, केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 27 दिसम्बर, 2002 में, सा.का.नि. 844(अ), तारीख 27 दिसम्बर, 2002 द्वारा प्रकाशित भारत सरकार के तदेन वित्त एवं कंपनी कार्य मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 143/2002-सीमाशुल्क, तारीख 27 दिसम्बर, 2002 द्वारा प्रतिपाठन शुल्क अधिरोपित किया था;

और अभिहित प्राधिकारी, अपने अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/25/2002-डीजीएडी, तारीख 10 जुलाई, 2003 जो कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 10 जुलाई, 2003 में प्रकाशित हुई, द्वारा इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि—

- (क) संबद्ध देशों में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित विटामिन सी का भारत को इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात की गई है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है;
- (ख) घरेलू उद्योग को तात्त्विक क्षति पहुंची है;

(ग) उक्त क्षति विषयगत देशों से आयात द्वारा संचयी रूप से कारित हुई है;

और संबद्ध देशों से उदगमित या निर्यातित विटामिन सी के सभी आयात पर निश्चयात्मक प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपण करने की सिफारिश की भी।

और अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त अंतिम जांच परिणाम के निष्कर्षों के आधार पर, केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 8 अगस्त, 2003 में प्रकाशित, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 124/2003-सीमाशुल्क, तारीख 8 अगस्त 2003, सा.का.नि. 647(अ), तारीख 8 अगस्त, 2003, द्वारा संबद्ध माल पर अंतिम प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित किया था;

और अभिहित प्राधिकारी, अपने मध्यावधि जांच परिणाम अधिसूचना सं. 15/24/2004-डीजीएडी, तारीख 25 जुलाई, 2005 जो कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खण्ड 1, तारीख 25 जुलाई, 2005 में प्रकाशित हुई, द्वारा इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि हितबद्ध पक्षकारों से उचित उत्तर की अनुपस्थिति में पाटन, आर्थिक क्षति और इन दोनों के बीच कारणात्मक संबंध जैसे महत्वपूर्ण मापदण्डों को निर्धारित नहीं किया जा सका और इसलिए संबद्ध देशों से संबद्ध माल के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने अथवा पुनः प्रारंभ होने की संभावना नहीं है और इसलिए संबद्ध देशों से उदगमित अथवा वहां से निर्यातित विटामिन सी के आयात पर पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण को जारी न रखने की सिफारिश की है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क की उप-धारा (1), उप-धारा (5) के साथ पठित और सीमाशुल्क टैरिफ (पारित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटन शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 18 और 23 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 124/2003-सीमाशुल्क, तारीख 8 अगस्त, सा.का.नि. 647(अ), तारीख 8 अगस्त, 2003, की उन बातों के सिवाय जो ऐसे विखण्डन से पूर्व की गई हैं या जिन्हें करने का लोप किया गया है, विखण्डित करती है।

[फा. सं. 354/120/2005-टीआरयू]

अजय, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 18th October, 2005

### No. 92/2005-CUSTOMS

**G.S.R. 636(E).**—Whereas in the matter of import of Vitamin-C, (hereinafter also referred to as the subject goods), falling under tariff item 2936 27 00 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in, or exported from, the United States of America and Canada (hereinafter referred to as the subject countries), the designated authority by its preliminary findings vide notification No. 14/25/2002-DGAD, dated the 1st November, 2002, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 1st November, 2002 had come to the conclusions that—

- (a) Vitamin-C originating in or exported from the subject countries had been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- (b) the Indian industry had suffered material injury;
- (c) the injury had been caused cumulatively by the imports from the subject countries;

and had recommended imposition of provisional anti-dumping duty on all imports of vitamin-C, originating in or exported from the subject countries;

And whereas on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed provisional anti-dumping duty on the subject goods vide notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Finance and Company Affairs (Department of Revenue), No. 143/2002-Customs, dated the 27th December, 2002, G.S.R. 844 (E), dated the 27th December, 2002;

And whereas the designated authority, by its final findings vide notification No. 14/25/2002-DGAD, dated the 10th July, 2003, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 10th July, 2003, had come to the conclusions that—

- (a) Vitamin C originating in or exported from the subject countries had been exported to India below normal value, resulting in dumping;

- (b) the Indian industry had suffered material injury;
- (c) the injury had been caused cumulatively by the imports from the subject countries; and had recommended imposition of definitive anti-dumping duty on all imports of Vitamin-C, originating in or exported from the subject countries;

And whereas on the basis of the aforesaid final findings of the designated authority, the Central Government had imposed final anti-dumping duty on the subject goods *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 124/2003-CUSTOMS, dated the 8th August, 2003, G.S.R. 647(E), dated the 8th August, 2003;

And whereas the designated authority, by its final findings in mid-term review *vide* notification No. 15/24/2004-DGAD, dated the 25th July, 2005 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, section 1, dated the 26th July, 2005, has come to the conclusions that in the absence of proper response from the interested parties, the critical parameters such as dumping, material injury and the causal relationship between the two could not be established, and hence cessation of anti-dumping duty on imports of subject goods from subject countries is not likely to lead to continuation or recurrence of injury to the domestic industry and has recommended discontinuation of imposition of the anti-dumping duty on imports of Vitamin-C, originating in, or exported from, the subject countries.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1), read with Sub-section (5) of Section 9A of the said Customs Tariff Act, and rules 18 and 23 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 124/2003-CUSTOMS, dated the 8th August, 2003, G.S.R. 647(E), dated the 8th August, 2003, except as respects things done or omitted to be done before such rescission.

[F. No. 354/120/2005-TRU]

AJAY, Under Secy.